भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5724

जिसका उत्तर शुक्रवार, 27 मार्च, 2026/06 चैत्र, 1948 (शक) को दिया जाना है।

चंदौली जनपद में उर्वरकों की अनुपलब्धता

5724. श्री वीरेन्द्र सिंह:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उत्तर प्रदेश के चंदौली जनपद में यूरिया एवं डीएपी जैसे उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या धान उत्पादक क्षेत्रों में प्री-मानसून एवं खरीफ मौसम के दौरान उर्वरकों की मांग अधिक होती है;
(ग) यदि हां, तो क्या चंदौली जैसे धान उत्पादक जिलों को जिला-वार उर्वरक आपूर्ति को प्राथमिकता देने हेतु कोई राष्ट्रीय नीति है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) देश में उर्वरक भांडागारों की संख्या और उनकी भंडारण क्षमता का ब्यौरा क्या है;
(ड.) क्या चंदौली जनपद में उर्वरकों के भंडारण हेतु पर्याप्त सुविधाओं के अभाव के कारण वितरण में विलंब और कालाबाजारी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) क्या सरकार चंदौली जनपद में उर्वरक भंडारण सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विचार कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा एवं समय-सीमा क्या है और यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): उत्तर प्रदेश राज्य सहित सभी राज्यों में सभी उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक मौसम में निम्नलिखित कदम उठाए जाते हैं:

(i) प्रत्येक फसल मौसम की शुरुआत से पहले, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू), सभी राज्य सरकारों के परामर्श से, राज्य-वार और माह-वार उर्वरकों की आवश्यकता का आकलन करता है।

(ii) डीएएंडएफडब्ल्यू द्वारा अनुमानित आवश्यकता के आधार पर, उर्वरक विभाग मासिक आपूर्ति योजना जारी करके राज्यों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का आवंटन करता है और उपलब्धता की लगातार निगरानी करता है।

(iii) सभी प्रमुख सब्सिडी वाले उर्वरकों के संचलन की निगरानी पूरे देश में एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) नामक एक ऑन-लाइन वेब-आधारित निगरानी प्रणाली द्वारा की जाती है।

(iv) राज्य सरकारों को समय पर मांग-पत्र जारी करके आपूर्ति को सुव्यवस्थित करने के लिए उत्पादकों और आयातकों के साथ समन्वय करने की नियमित रूप से सलाह दी जाती है।

(v) राज्यों के लिए पर्याप्त रेक देने, उर्वरकों को प्राथमिकता देने और समय पर रेक निकालने के लिए रेल मंत्रालय के साथ नियमित समन्वय बैठकें आयोजित की जाती हैं।

इसके अलावा, उर्वरक विभाग का अधिदेश राज्य स्तर पर उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है। तथापि, राज्य के भीतर जिला स्तर पर उर्वरकों का वितरण संबंधित राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

इस संबंध में, उत्तर प्रदेश राज्य में चल रहे रबी 2025-26 मौसम के दौरान यूरिया और डीएपी की उपलब्धता पर्याप्त रही है। दिनांक 01.10.2025 से 22.03.2026 के दौरान यूरिया और डीएपी की आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री के संबंध में जानकारी निम्नानुसार है:

रबी 2025-26 के दौरान उत्तर प्रदेश में यूरिया और डीएपी की स्थिति (22/03/26 तक)

आंकड़े एमटी में

क्र.सं.	**उत्पाद**	**01/10/25 से 22/03/26 तक आनुपातिक आवश्यकता**	**01/10/25 से 22/03/26 तक उपलब्धता**	**01/10/25 से 22/03/26 तक बिक्री**
1	**यूरिया**	39.42	50.45	39.24
2	**डीएपी**	13.93	17.58	12.21

स्रोत: आईएफएमएस

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि चंदौली सहित राज्य के सभी जिलों में यूरिया और डीएपी की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है। चंदौली जिले में यूरिया और डीएपी की उपलब्धता, बिक्री और अंतिम स्टॉक के बारे में जानकारी निम्नानुसार है:

आंकड़े मीट्रिक टन में

क्र.सं.	**उत्पाद**	**उपलब्धता**	**01.04.25 से 23.03.2026 तक बिक्री**	**23.03.2026 की स्थिति के अनुसार अंतिम स्टॉक**
1	यूरिया	77139	68492	8647
2	डीएपी	29496	25270	4226

(घ): उर्वरकों के संबंध में भंडारण व्यवस्था और क्षमता की निगरानी संबंधित राज्य सरकारों और उर्वरक कंपनियों द्वारा की जाती है। तथापि, राज्यों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, देश में उर्वरक कंपनियों द्वारा कुल 1,082 गोदामों का उपयोग किया जा रहा है और उनकी संचयी भंडारण क्षमता 22,42,074 मीट्रिक टन है।

(ङ) और (च): उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने सूचित किया है कि चन्दौली जिले में उर्वरकों के भंडारण के संबंध में कोई विशेष कठिनाई की सूचना नहीं है।

******